एनआईसी National Informatics Centre

एनआईसी तेलंगाना फोकस:
सेवाएँ, सूचना एवं पहल

सांकेतिक श्रवंती
సాంకేతిక సవంతి

भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

एनआईसी तेलंगाना त्रैमासिक डिजिटल न्यूज़लेटर | खंड संख्या: 02 | अंक संख्या: 02 | जुलाई 2026

श्री प्रियंक भारती, आईएएस, अतिरिक्त सचिव, MeITy ने 21 मई 2026 को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के महानिदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया

श्री अभिषेक सिंह, Ex-DG, एनआईसी को विदाई दी गई तथा श्री वी.टी.वी. रमणा को अतिरिक्त प्रभार महानिदेशक सौंपने से पहले 8 अप्रैल 2026 को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के अधिकारी एवं कर्मचारियों से संबोधित किया

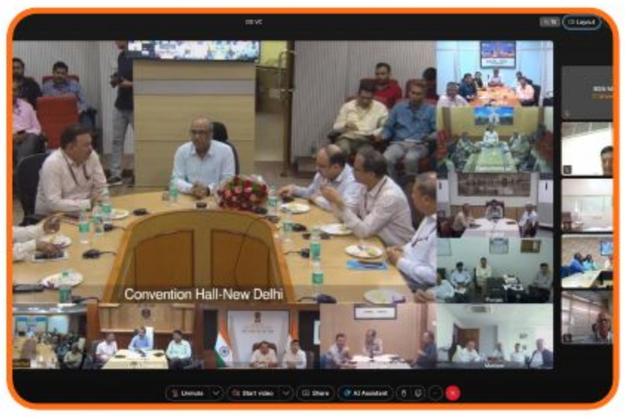

6 जून 2026 को श्री अनुदीप दुरिशेट्टी, आईएएस, संयुक्त सचिव (आईटी) ने डिजिटल कैबिनेट परियोजना कार्यान्वयन की अध्यक्षता की

22 जून 2026 तक तेलंगाना में डिजिटल कैबिनेट के कार्यान्वयन के लिए कार्यान्वयन रणनीति, पूर्वापेक्षाएँ, गैप विश्लेषण, उपयोगकर्ता ऑनबोर्डिंग, अवसंरचना, सुरक्षा, प्रशिक्षण तथा गो-लाइव माइलस्टोन जैसे विषयों पर श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ एवं डीडीजी, श्री अरुण शर्मा, वैज्ञानिक-ई, उत्तराखंड, आईटीई एंड सी तथा जीएडी टीम के साथ विस्तृत चर्चा की गई।

श्री अरुण शर्मा, वैज्ञानिक-ई, उत्तराखंड ने तेलंगाना के मुख्य सचिव श्री के. रामकृष्ण राव को डिजिटल कैबिनेट पोर्टल का प्रदर्शन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर श्री एम. रघुनंदन राव, आईएएस, श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ एवं डीडीजी, श्री रेनिल जॉन, वैज्ञानिक-एफ एवं अनुभागाध्यक्ष, श्री एस. श्रीनिवास राव, वैज्ञानिक-ई तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने सत्र में भाग लेते हुए डिजिटल कैबिनेट प्रणाली के कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की |8 जून 2026 को,श्री अनुदीप दुरिशेट्टी, संयुक्त सचिव (आईटी), आईएएस, आईटीई एंड सी द्वारा कार्यान्वयन के लिए औपचारिक रूप से मंज़ूरी दी गई। 18 जून 2026 को माननीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री श्रीधर बाबू ने डिजिटल कैबिनेट के कार्यान्वयन हेतु माननीय मुख्यमंत्री श्री ए रेवंत रेड्डी तथा मंत्रिपरिषद के सदस्यों को टैबलेट वितरित किए| 24 जून 2026 को श्री अनुदीप दुरिशेट्टी, संयुक्त सचिव तथा उनकी टीम की उपस्थिति में डिजिटल कैबिनेट का मॉक रन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

8 अप्रैल 2026 को वेब जीआईएस तकनीक के साथ मिशन भागीरथा मॉनिटरिंग प्रणालि का शुभारंभ

परिचालनात्मक शासन, अवसंरचना की स्थिरता और सेवा विश्वसनीयता को मजबूत करने के लिए, श्री टी. बाला सुंदरम, वैज्ञानिक-एफ और अनुभागाध्यक्ष, श्री कार्तिक कृष्णा, वैज्ञानिक-डी, तेलंगाना के नेतृत्व में एनआईसी, हैदराबाद की टीम द्वारा श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ और डीडीजी के मार्गदर्शन में राज्य के लिए एक उन्नत एंटरप्राइज वेबजीआईएस-आधारित जल अवसंरचना प्रबंधन प्रणाली विकसित और कार्यान्वित की गई है।

24 अप्रैल 2026 को एनआईसी, हैदराबाद में चौथी मंजिल पर नए सम्मेलन कक्ष का उद्घाटन किया गया

बीआरकेआर भवन की चौथी मंजिल पर स्थित नए सम्मेलन कक्ष और डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में नव आवंटित एनआईसी केंद्र का उद्घाटन एनआईसी मुख्यालय के डीडीजी और समूह प्रमुख (अवसंरचना) श्री के.पी. पारिसेल्वन ने किया। इस अवसर पर एनआईसी तेलंगाना के एसआईओ और डीडीजी श्री गुंटुकु प्रसाद, वैज्ञानिक-एफ और एएसआईओ राज्य श्री गोवर्धन श्रीकांत और वैज्ञानिक-एफ और अनुभागाध्यक्ष (अवसंरचना) श्री अकेल्ला श्रीनिवास सुब्बा राव और उनकी टीम उपस्थित थे।

तेलंगाना पॉलिटेक्निक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी पॉलीसेट। 2026) का परिणाम 23 मई 2026 को जारी किया गया।

सुश्री ए. श्रीदेवसेना, आयुक्त, महाविद्यालयी शिक्षा ने हैदराबाद स्थित एसवी भवन में अन्य अधिकारियों के साथ टीजी पॉलीसेट 2026 के परिणाम जारी किए। इस अवसर पर श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ एवं डीडीजी, एनआईसी तेलंगाना, श्री जी. श्रीकांत, वैज्ञानिक-एफ, एएसआईओ (राज्य) एवं अनुभागाध्यक्ष तथा उनकी टीम उपस्थित रही।

7 अप्रैल 2026 को क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स एक्ट, 2010 पर आधारित वेब एप्लिकेशन का शुभारंभ तेलंगाना राज्य के स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण के माननीय मंत्री, श्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने किया

कार्यक्रम के दौरान तेलंगाना सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग की सचिव डॉ. क्रिस्टीना ज़ेड. चोंगथू, आईएएस, श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ एवं डीडीजी, एनआईसी तेलंगाना, एनआईसी स्वास्थ्य प्रभाग के श्री टी. बाला सुंदरम, वैज्ञानिक-एफ एवं अनुभागाध्यक्ष, उनकी टीम तथा विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

प्रमुख घटनाएँ और गतिविधियाँ

जिला गतिविधियाँ

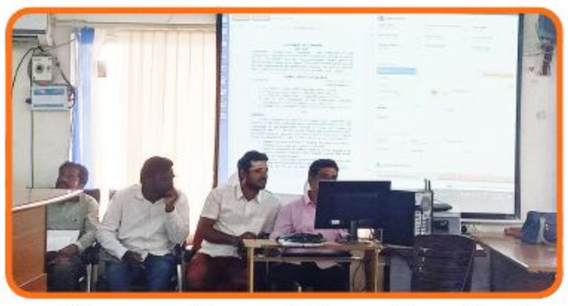

20 अप्रैल 2026 को एनआईसी नलगोंडा कलेक्टरेट मीटिंग हॉल में विभिन्न विभागों के लिए ई-ऑफिस प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।

17 मई 2026 को निजामाबाद के आईएमए मीटिंग हॉल में आरोग्यश्री अस्पतालों एवं जिले के चिकित्सकों के लिए पीएम राहत योजना पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर एनआईसी निजामाबाद के डीआईओ श्री मधु ने योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु एनआईसी की ओर से पूर्ण तकनीकी सहयोग का आश्वासन दिया।

21 अप्रैल 2026 को पहली बार सर्वे (लैंड पार्सल मैप) तथा जीपीएस द्वारा सत्यापित भूधार नंबर के साथ एकीकृत भूमि पंजीकरण प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। यह भूमि विक्रय लेन-देन खम्मम जिले के कुसुमांची मंडल स्थित गट्टू सिंगारम राजस्व ग्राम के मोटापुरम गांव में इंटीग्रेटेड भू भारती पोर्टल के माध्यम से पूरा किया गया।

नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पीएम-वीबीआरवाई (PM-VBRY) योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को प्रोत्साहन राशि के वितरण का शुभारंभ किया।

19 जून 2026 को एनआईसी तेलंगाना ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (PM-VBRY) के अंतर्गत राज्यभर में आयोजित लगभग 10 क्षेत्रीय कार्यक्रमों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) सुविधा प्रदान की।

तेलंगाना में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए ई-काउंसलिंग प्रवेश प्रक्रिया 27 मई 2026 से शुरू की गई है।

तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद (TGCHE) तेलंगाना में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (CET) उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए ई-काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश की व्यवस्था करती है। इंजीनियरिंग, फार्मेसी, MBA, MCA और डिप्लोमा जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए लगभग 5 लाख छात्र और 1,200 कॉलेज ई-काउंसलिंग प्रवेश में भाग लेते हैं।

TGPOLYCET, TGEAPCET, TGECET, TGICET और TGEAPCET-B जैसे CETS विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित किए जाते हैं। NIC ने TGCHE के लिए पंजीकरण, शुल्क भुगतान, प्रमाणपत्र सत्यापन, विकल्प प्रविष्टि, सीट आवंटन और अंतिम प्रवेश पुष्टि के लिए एक वेब-आधारित सॉफ्टवेयर प्रणाली विकसित की है। सीट आवंटन योग्यता, वरीयता, सीट उपलब्धता और सरकारी आरक्षण नीतियों के आधार पर किया जाता है।

ऑफलाइन हिंदी कक्षाओं (पारंगत 2026) बैच का समापन समारोह 12 मई 2026 को आयोजित किया गया

हिंदी पारंगत प्रशिक्षण की पूर्णता के अवसर पर, श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ एवं डीडीजी, तेलंगाना ने 20 मई 2026 को एनआईसी, हैदराबाद के छठी मंजिल स्थित सम्मेलन कक्ष में हिंदी संकाय डॉ. रविचंद्र का सम्मान किया। इस अवसर पर एनआईसी अधिकारियों ने हिंदी पारंगत परीक्षा भी दी।

माननीय राजस्व मंत्री, तेलंगाना द्वारा इंटीग्रेटेड भू भारती वेब पोर्टल के बीटा/पायलट संस्करण का शुभारंभ किया

1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक तेलंगाना से वीवीआईपी वीडियो कॉन्फ्रेंस सत्र।

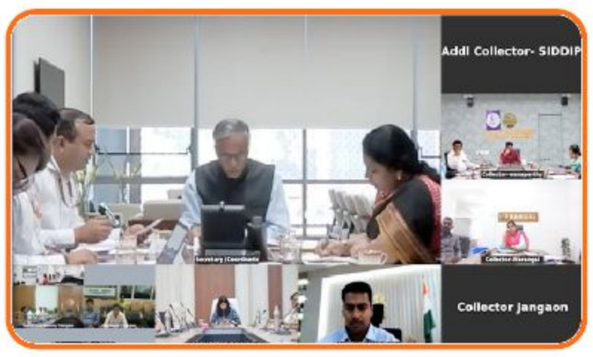

22 अप्रैल 2026 को माननीय सचिव (समन्वय), कैबिनेट सचिवालय की अध्यक्षता में तेलंगाना राज्य के साथ एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में माननीय विशेष मुख्य सचिव एवं अन्य अधिकारियों ने मुख्य सचिव कार्यालय से भाग लिया तथा तेलंगाना के विभिन्न जिलों के अधिकारियों के साथ भी संवाद किया।|

13 अप्रैल 2026 को माननीय निदेशक, जनगणना संचालन, तेलंगाना में चल रही जनगणना गतिविधियों के संबंध में तेलंगाना के सभी जिला कलेक्टरों एवं नगर आयुक्तों के साथ बैठक आयोजित की। सभी जिला कलेक्टरों एवं नगर आयुक्तों ने अपने-अपने स्थानों से बैठक में भाग लेकर संवाद किया।|

माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने तेलंगाना परिवहन विभाग द्वारा किए गए सुधारों एवं विकास पहलों की सराहना की

हैदराबाద, ఆంధ్రప్రభ : తెలంగాణ రవాణా శాఖ పనితీరును కేంద్రమంత్రి నితిన్ గడ్కరీ ప్రశంసించారు. రాష్ట్ర మంత్రి పొన్నం ప్రభాకర్‌కు కేంద్రమంత్రి అభినందనలు తెలిపారు. మంత్రి పొన్నం ప్రభాకర్‌ని ప్రశంసిస్తూ నితిన్ గడ్కరీ ఈరోజు లేఖ రాశారు. చెక్‌పోస్టుల రద్దు నిర్ణయంపై ప్రశంసలు కురిపించారు. వాహన సారథి సమీకరణపై కేంద్రమంత్రి సంతృప్తి వ్యక్తం చేశారు. ఆటోమేటెడ్ డ్రైవింగ్ టెస్టింగ్ ట్రాక్‌లను ప్రశంసించారు. రోడ్డు భద్రత చర్యల్లో తెలంగాణ ముందంజలో ఉందని కొనియాడారు. డిజిటల్ గవర్నెన్స్‌లో తెలంగాణపై ప్రశంసలు కురిపించారు. ప్రజా అవగాహన కార్యక్రమాలు అభినందనీయమని నితిన్ పేర్కొన్నారు.

మాननीय केंद्रीय मंत्री ने परिवहन चेक-पोस्टों को समाप्त करने, 'वाहन' एवं 'सारथी' प्लेटफॉर्म के प्रभावी एकीकरण तथा स्वचालित ड्राइविंग परीक्षण ट्रैक और सड़क सुरक्षा निरीक्षण जैसी प्रौद्योगिकी-आधारित पहलों के सफल कार्यान्वयन के लिए तेलंगाना परिवहन विभाग की सराहना की।|

'सांकेतिक श्रवंती' एनआईसी तेलंगाना न्यूज़लेटर के प्रथम वर्षगांठ संस्करण को तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव को प्रस्तुत किया गया

9 मई 2026 को हैदराबाद स्थित सिंधु अस्पताल में माननीय प्रधानमंत्री की यात्रा हेतु तकनीकी समन्वय एवं निगरानी सहयोग प्रदान किया गया

सभी सहायता एवं निगरानी गतिविधियाँ सुश्री एन कविता, वैज्ञानिक-डी तथा श्री स्वामीनाथ, वैज्ञानिक-सी की प्रतिनिधि टीम द्वारा संपादित की गई, जो श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ एवं डीडीजी, तेलंगाना के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में कार्यरत थी।

प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण

10 जून 2026 को "आचरण नियम" विषय पर हिंदी में अर्धदिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

सुश्री मिनी जे. पॉल, सहायक अनुभाग अधिकारी (सेवानिवृत्त), एनआईसी ने "आचरण नियम" विषय पर व्याख्यान दिया। वक्ता ने विषय का प्रभावी एवं विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया, जिसे प्रतिभागियों ने उत्साह एवं रुचि के साथ ग्रहण किया। इस अवसर पर श्री खाजा इम्तियाज़ अहमद, वैज्ञानिक–ई एवं एनआईसी, हैदराबाद स्थित ओएलआईसी के समन्वयक ने भी संबोधित किया। उन्होंने हिंदी प्रभाग द्वारा संचालित गतिविधियों का परिचय दिया तथा विभिन्न प्रभागों में हिंदी में कार्य करने के संबंध में अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद किया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 23वीं किस्त का कार्यक्रम 20 जून 2026 को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर से आयोजित किया गया।

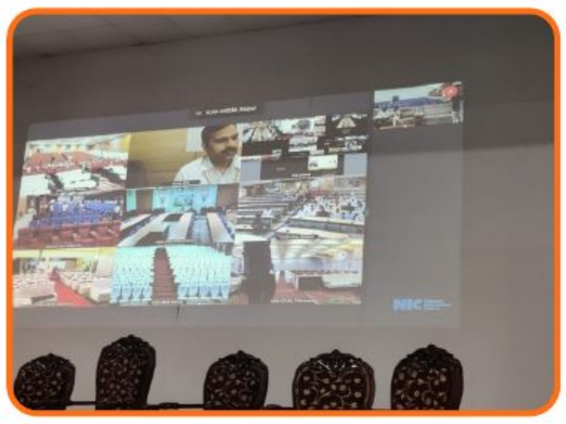

तेलंगाना एनआईसी ने योजना के आयोजन के लिए संपूर्ण तकनीकी सहायता प्रदान की, जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी), लाइव वेबकास्ट व्यवस्था, नेटवर्क कनेक्टिविटी, ऑडियो-विजुअल समन्वय और तेलंगाना के सभी जिलों में ऑन-साइट तकनीकी सहायता शामिल थी।

तकनीकी मूल्यांकन प्रतिवेदन की स्वीकृति हेतु टीजीईआरएसएस की बैठक।

22 जून 2026 को टीजीआईसीसीसी में तकनीकी मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुमोदन हेतु टेंडर मुख्य समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में श्री वी.वी. श्रीनिवास राव, आईपीएस, पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएँ), तेलंगाना, श्री वी.बी. कमलासन रेड्डी, आईपीएस (सेवानिवृत्त), निदेशक, टीजीआईसीसीसी, हैदराबाद, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा एनआईसी की वैज्ञानिक-एफ श्रीमती सौधामिनी श्रीनिवासन उपस्थित रहीं।

15 से 17 अप्रैल 2026 तक मेदक जिले में आईटी सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एवीएनएल–आईओएल (आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड – इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग), मेदक में कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न इकाइयों के लगभग 15–20 ग्रुप "बी" एवं "सी" अधिकारियों ने भाग लिया। सत्रों का संचालन प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा किया गया। प्रमुख वक्ता सुश्री कविता मृत्युंजय राव, वैज्ञानिक 'एफ', श्री पिसाय श्रीनाथ राव, वैज्ञानिक 'एफ', सुश्री श्रीलता गोरला, वैज्ञानिक 'डी', और श्री काशी विश्वनाथ केथिनेनी, वैज्ञानिक 'डी' है।

परियोजना समीक्षा बैठकें एवं प्रशिक्षण सत्र

5 मई एवं 30 जून 2026 को न्यायिक सूचना विज्ञान प्रभाग, एनआईसी तेलंगाना द्वारा शिक्षा, नागरिक आपूर्ति, गृह, खान एवं भूविज्ञान, टीजीपीएससी, निषेध एवं आबकारी, सिंचाई तथा राजस्व विभागों के अधिकारियों के लिए कोर्ट केस मॉनिटरिंग सिस्टम (CCMS) सॉफ्टवेयर पर सफलतापूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एनआईसी तेलंगाना राज्य केंद्र में एनआईसी बिहार के श्री प्रदीप कुमार नायक, वैज्ञानिक-डी तथा श्री अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-सी द्वारा सीसीएमएस का प्रदर्शन (डेमो) प्रस्तुत किया गया।

ई-डीएआर (e-Detailed Accident Report) पर जिला रोलआउट प्रबंधकों का प्रशिक्षण 6 जून 2026 को एनआईसी हैदराबाद में जिला परियोजना कर्मियों के लिए रोड एक्सीडेंट डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सत्र में दुर्घटना संबंधी डेटा, दुर्घटना स्थलों की वास्तविक समय (रियल-टाइम) में प्रविष्टि तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान के लिए रिपोर्ट तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया गया। डीडीजी एवं एसआईओ ने डीआरएम को निर्देश दिया कि वे डेटा का सटीक एवं समयबद्ध अद्यतन सुनिश्चित करें, ताकि यह डेटाबेस बेहतर योजना निर्माण, दुर्घटना पीड़ितों को शीघ्र मुआवजा प्रदान करने तथा सड़क सुरक्षा उपायों के प्रभावी समन्वय में सहायक सिद्ध हो।

2 मई 2026 को एनआईसी टीजीएसयू में एसएफसी आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के एजीएम के साथ ई-एसएफसी बैठक आयोजित की गई। श्री अकेल्ला श्रीनिवास सुब्बा राव, वैज्ञानिक-F और उनकी टीम मौजूद थी।

तेलंगाना के माननीय परिवहन मंत्री श्री पोन्नम प्रभाकर ने 7 अप्रैल 2026 को तेलंगाना सचिवालय में परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें 'वाहन' एवं 'सारथी' के कार्यान्वयन को एजेंडा के प्रमुख विषयों में शामिल किया गया।

श्री एस.कासी रेड्डी, वैज्ञानिक-ई, ई-ट्रांसपोर्ट डिवीजन, एनआईसी तेलंगाना द्वारा टीएसपीए में 2024 बैच के आरटीओ एवं सहायक मोटर वाहन निरीक्षकों के लिए आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान सारथी / वाहन परियोजना पर व्याख्यान दिया।

2 जून 2026 को हैदराबाद स्थित एआरसीआई में तेलंगाना के 19 डीएसटी संस्थानों में ई-ऑफिस के कार्यान्वयन के संबंध में आयोजित बैठक में श्री रेनिल जॉन, वैज्ञानिक-एफ एनआईसी तेलंगाना की ई-ऑफिस टीम ने भाग लिया।

श्री गोवर्धन श्रीकांत, अनुभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक-एफ एवं एएसआईओ (राज्य), उच्च न्यायालय प्रभाग, एनआईसी तेलंगाना तथा उनकी टीम ने तेलंगाना उच्च न्यायालय में रजिस्ट्रार (आईटी)-सह-केंद्रीय परियोजना समन्वयक का कार्यभार ग्रहण करने पर श्री डी. किरण कुमार से औपचारिक शिष्टाचार भेंट की।

4 जून 2026 से 15 जून 2026 तक तेलंगाना पुलिस कर्मियों के लिए ई-साक्ष्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

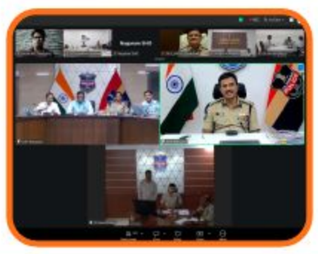

अपराध स्थल से साक्ष्यों के सुरक्षित संग्रह एवं प्रबंधन हेतु पुलिस अधिकारियों के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम श्री कार्तिक कृष्ण विजयशारधी, वैज्ञानिक-डी एवं उनकी टीम द्वारा आयोजित किया गया।

कर्मचारी कार्नर

एनआईसी तेलंगाना स्वागत करता है

क्लाउड सर्विसेज डिवीजन, एनआईसी हैदराबाद द्वारा आपातकालीन रक्तदान किया गया, जो एकता, मानवीयता और सहयोग की भावना को दर्शाता है।

20 मई 2026 को श्री अशोक कौल, डीडीजी एवं एचओजी, ई-प्रोक्योरमेंट की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित ई-प्रोक्योरमेंट एवं ई-ऑक्शन प्रणालियों के कार्यान्वयन की समीक्षा बैठक में श्री रेनिल जॉन, वैज्ञानिक-एफ तथा श्री एस. श्रीनिवास राव, वैज्ञानिक-ई ने भाग लिया।

श्री रेनिल जॉन, वैज्ञानिक-एफ, अनुभागाध्यक्ष एवं मीडिया डिवीजन समन्वयक, एनआईसी तेलंगाना को डिजिटल एनआईसी पोर्टल तथा एनआईसी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों के माध्यम से एनआईसी तेलंगाना राज्य से संबंधित सूचनाओं एवं मीडिया पोस्टों का त्वरित प्रकाशन एवं प्रसार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए स्टार परफ़ॉर्मर के रूप में सम्मानित किया गया।

23 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली के ताज पैलेस में आयोजित DSCI GovSec 2026 सम्मेलन में राष्ट्र की साइबर सुरक्षा क्षमता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से श्री सुरम मधुसूदन (वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता-एसबी एवं डीआईओ, हैदराबाद नगरीय) तथा सुश्री श्रीलता गोरला (वैज्ञानिक-डी) ने भाग लिया।

ट्रांसफर पर विदाई

श्री के.एस.एस. मधु कुमार, वैज्ञानिक-F

सुश्री पी. झांसी श्रीनिवास, वैज्ञानिक-ई

श्री थेरला श्रीधर शर्मा, वैज्ञानिक-ई

श्री वी. सूर्यनारायण, वैज्ञानिक-ई

सुश्री शेषा रानी जामपानी, वैज्ञानिक-सी

श्री ए बाला सुब्रह्मण्यम, वैज्ञानिक - डी

एनआईसी हैदराबाद के राष्ट्रीय डेटा केंद्र ने क्लाउड सुरक्षा हेतु ISO/IEC 27017:2015 अनुरूपता प्रमाणन प्राप्त किया।

श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ एवं डीडीजी ने बताया कि एनडीसी हैदराबाद की सभी टीमों को हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद। उन्होंने आगे कहा यह उपलब्धि तथा प्रमुख, सुश्री कविता मृत्युंजय रावक्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर सेवाएँ के नेतृत्व में किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

सेवानिवृत्ति पर उत्कृष्टता एवं समर्पित सेवाओं का सम्मान।

31 मई 2026 को सुश्री मिनी जे. पॉल, सहायक अनुभाग अधिकारी द्वारा प्रदान की गई 34 वर्षों की समर्पित सरकारी सेवा के सम्मान एवं प्रशंसा में सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया गया।

31 मई 2026 को श्री टी. बाला सुंदरम, वैज्ञानिक-एफ द्वारा प्रदान की गई 30 वर्षों की उत्कृष्ट एवं समर्पित सरकारी सेवा के सम्मान और प्रशंसा में सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया गया।

"स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग" विषयवस्तु के अंतर्गत "आपकी डेस्क पर योग" कार्यक्रम का आयोजन 20 जून 2026 को एनआईसी हैदराबाद में किया गया

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में "आपकी डेस्क पर योग स्वास्थ्य, प्रसन्नता एवं उत्पादकता के लिए सरल अभ्यास" विषय पर एक घंटे का सत्र आयोजित किया गया। यह सत्र अतिथि योग एवं वेलनेस विशेषज्ञ तथा एनआईसी के सेवानिवृत्त कर्मचारी श्री पी. एस. एन. मूर्ति के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम 21 जून 2026 (रविवार) को हैदराबाद स्थित एनआईसी तेलंगाना राज्य केंद्र की 9वीं मंजिल पर आयोजित किया गया। इस सत्र का संचालन श्री ए. शिवा रामुलु, वैज्ञानिक-एफ (सेवानिवृत्त) द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों को शारीरिक स्वास्थ्य एवं मानसिक संतुलन को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया।

तकनीकी अंतर्दृष्टि

आरएसए के पार: एलिप्टिक वक्रों की असंयमित ताकत

एलिप्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी (ईसीसी) परिमित क्षेत्रों (परिमित क्षेत्र) पर एलिप्टिक वक्रों (एलिप्टिक वक्र) की बीजीय संरचना पर आधारित सार्वजनिक-कुंजी क्रिप्टोग्राफी (सार्वजनिक-कुंजी क्रिप्टोग्राफी) के लिए एक आधुनिक और अत्यधिक कुशल दृष्टिकोण है। आरएसए जैसे पारंपरिक एन्क्रिप्शन तरीकों के विपरीत, जो बड़ी अभाज्य संख्याओं के गुणनखंड की कठिनाई पर निर्भर करते हैं, ईसीसी एलिप्टिक कर्व डिस्क्रीट लॉगरिदम समस्या पर निर्भर होकर डेटा को सुरक्षित करता है।

प्रमुख विशेषताएँ

• जटिल गणित: ईसीसी क्रिप्टोग्राफिक कुंजियों (कुंजियाँ) उत्पन्न करने के लिए गणितीय वक्रों (आमतौर पर $(y^2 = x^3 + ax + b)$ जैसे समीकरणों द्वारा परिभाषित) का उपयोग करता है। इस वक्र पर बिंदु एक ज्यामितीय संरचना बनाते हैं जिसकी गणना एक दिशा में करना आसान है, लेकिन इसे उलटना (रिवर्स-इंजीनियर) व्यावहारिक रूप से असंभव है।

• असंयमित एन्क्रिप्शन: यह कुंजियों के एक जोड़े का उपयोग करता है: डेटा को एन्क्रिप्ट करने के लिए एक सार्वजनिक कुंजी (जो सभी के लिए दृश्यमान है) और इसे डिक्रिप्ट करने के लिए गणितीय रूप से संबंधित एक निजी कुंजी (जिसे स्वामी द्वारा गुप्त रखा जाता है)।

लाभ

छोटे कुंजी आकार: ईसीसी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह पारंपरिक तरीकों के समान ही सुरक्षा प्रदान करता है, लेकिन बहुत छोटे कुंजी आकार के साथ। उदाहरण के लिए, 256-बिट ईसीसी कुंजी 3072-बिट आरएसए कुंजी जितनी ही मजबूत सुरक्षा प्रदान करती है।

• उच्च दक्षता (उच्च दक्षता): क्योंकि कुंजियाँ छोटी होती हैं, ईसीस को काफी कम कम्प्यूटेशनल शक्ति, मेमोरी और बैंडविड्थ की आवश्यकता होती है। यह इसे असाधारण रूप से तेज बनाता है और मोबाइल उपकरणों, स्मार्ट कार्ड और IoT सेंसर के लिए आदर्श बनाता है।

अनुप्रयोग

• सुरक्षित वेब ब्राउज़िंग: वेब ब्राउज़र और सर्वर के बीच सुरक्षित, एन्क्रिप्टेड कनेक्शन स्थापित करने के लिए एसएसएल/टीएलएस प्रमाणपत्रों में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

• क्रिप्टोकरेंसी: बिटकॉइन और एथीरियम सहित प्रमुख ब्लॉकचेन नेटवर्क के लिए मूलभूत सुरक्षा और डिजिटल हस्ताक्षर परत (digital signature layer) बनाता है।

• सुरक्षित मैसेजिंग: व्हाट्सएप और सिग्नल जैसे आधुनिक संचार ऐप में उपयोग किए जाने वाले एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन प्रोटोकॉल को शक्ति प्रदान करता है।

द्वारा योगदान : श्री पुलपर्थी सुमंत
वैज्ञानिक-सी
p.sumanth@nic.in

संपादकीय समिति

श्री गोवर्धन श्रीकांत, वैज्ञानिक-एफ
सुश्री सौदामिनी श्रीनिवासन, वैज्ञानिक-एफ
श्री खाजा इम्तियाज़ अहमद, वैज्ञानिक-ई
श्री एस. श्रीनिवास राव, वैज्ञानिक-ई
श्री रेनिल जॉन, वैज्ञानिक-एफ
श्री रवि बंडी, वैज्ञानिक-सी

आयोजन एवं समन्वय समिति

सुश्री बी सीता महालक्ष्मी, वैज्ञानिक-सी
सुश्री एम. प्रतिभा रेड्डी, वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-एसबी